मेरे पित्र ने बुलवा दे गुरु गोरख स्यान मनाऊँगा

मेरे पित्र ने बुलवा दे,
गुरु गोरख स्यान मनाऊँगा,
गुरु गोरख स्यान मनाऊँगा,
गुरू गोरख स्यान मनाऊँगा,
मेरे पित्र न बूलवादे,
गूरू गोरख स्यान मनाऊँगा।bd।

तर्ज – श्री राम तै मनै मिलादे।

पित्रां का जब ध्यान धरुँ सूँ,
बन्द जावैं सैं हाथ मेरे,
पित्र देवता दिखते कोन्या,
दिखैं भूतड़े मनै घेरें,
मेरे घर न पावन बणादे,
गुरू गोरख स्यान मनाऊँगा,
मेरे पित्र न बूलवादे,
गूरू गोरख स्यान मनाऊँगा।bd।

सुख शान्ति ना घर म बाबा,
कोन्या बरकत रहरी हो,
घर के मालीक साथ छोडगे,
नयू चिन्ता स गहरी हो,
मेरी दुविधा दूर भगादे,
गुरू गोरख स्यान मनाऊँगा,
मेरे पित्र न बूलवादे,
गूरू गोरख स्यान मनाऊँगा।bd।

हे नाथों के नाथ जागजा,
जगा मेरी तकदीर न,
फंसे बन्धन म पित्र दादा,
ल्यादे काट जँझीर न,
मेरा रूस्या राम मनादे,
गुरू गोरख स्यान मनाऊँगा,
मेरे पित्र न बूलवादे,
गूरू गोरख स्यान मनाऊँगा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कहरया गजेन्द्र तेरे आगै,
अपणी दुखद कहाणी नै,
कितना दर्द झेलरया 'लक्की',
पूछ आँसूआँ के पाणी न,
जखमाँ प मरहम लगादे,
गुरू गोरख स्यान मनाऊँगा,
मेरे पित्र न बूलवादे,
गूरू गोरख स्यान मनाऊँगा।bd।

मेरे पित्र ने बुलवा दे,
गुरु गोरख स्यान मनाऊँगा,
गुरु गोरख स्यान मनाऊँगा,
गुरू गोरख स्यान मनाऊँगा,
मेरे पित्र न बूलवादे,
गूरू गोरख स्यान मनाऊँगा।bd।

गायक – लक्की शर्मा पिचौलिया।
लेखक – गजेन्द्र स्वामी कुड़लाण।
(करनाल) 9996800660

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com